



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3--उप-खण्ड (ii)  
PART II--Section 3--Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 481 ]	नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 11, 1995/श्रावण 20, 1917
No. 481]	NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 11, 1995/SRAVANA 20, 1917

---

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1995

का.आ. 717(अ).--केन्द्र सरकार, अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन रोहतक ट्रेडिंग कम्पनी लि., रोहतक द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त कम्पनी को आलू में अग्रिम संविदाओं के बारे में 18 जुलाई, 1995 से 17 जुलाई, 1996) जिसमें दोनों दिन शामिल हैं) तक एक वर्ष की और अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त कम्पनी ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं ।

[मिसिल संख्या 12/1/आईटी/94]

सुजीत बनर्जी, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS  
AND PUBLIC DISTRIBUTION  
(Deptt. of Civil Supplies)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th August, 1995

S.O. 717(E).--The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Rohtak Trading Company Ltd., Rohtak, being satisfied that it would be in the interest of trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of one year from the 18th July, 1995, to the 17th July, 1996 (both days inclusive) in respect of forward contracts in potatoes.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(1)/IT/94]

SUJIT BANERJEE, Jt. Secy.